

बोभायनम ॥ अम्य शीवि तम प्रकं कुरु न मय्य गवा कौमु ॥ मथ
माठईना दिदा विमुग नीगमा श्रव ठि श्रव वरुना कन्द ॥ तावर्वा
न ज्ञानामा मावरा ती नादा नृकय वृ नीगव नी क नृवने दनं ॥ ७
कन मोक ॥ जो श्री कक देवी गीष्ट क देक जीवद्वय ठि नृकंठा
उपपत्ति मुने वीम जकवा जायम मम वामिर्जी वीर्जमो क दि मोन्मा
नी कन वि कं वनु मम कल ॥ १७ ॥ वृत्ता मावि जया जिता वि मुनि
३० ॥ श्री कृत ॥ नमो वं श्री वम वां नृकव वृ मुनि उ ॥ १४ ॥ का म
कव नृ वा ठि नृवमं प्रोटा नृ नी मर्जम का मे वं
ममन मदा सि म दीय न

